पुनरावृत्ति कार्य-पत्र–15

पृष्ठ संख्या–267

उत्तर–

1. परीक्षा भवन

क०ख०ग० विद्यालय

नई दिल्ली।

12 जून, 20**xx**

प्रिय मित्र दिनेश

सादर नमस्कार।

तुम्हारा पत्र मिला। तुम सपरिवार सकुशल हो, यह जानकार अति प्रसन्नता हुई, किंतु यह प्रसन्नता तब और बढ़ गई जब यह मालूम हुआ कि तुम्हारे बड़े भैया को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में एक अच्छी नौकरी मिल गई हैं। दिनेश, महेश भैया को मैं काफी दिनों से जानता हूँ। प्रतिभा लगन और आत्मविश्वास उनमें कूट-कूटकर भरा है। उनका अकादमिक रिकॉर्ड भी उत्कृष्ट रहा है। सभी शैक्षणिक परीक्षाएँ उन्होंने प्रथम श्रेणी में पास की हैं। इस शानदार उपलब्धि का तो प्रतिफल उन्हें मिलना ही था।

मेरी तरफ से महेश भैया को बहुत-बहुत बधाई। घर में बड़ो को प्रणाम तथा छोटों को शुभ आशीर्वाद। तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा में।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

य०र०ल०

अथवा

परीक्षा भवन

क०ख०ग० विद्यालय

नई दिल्ली।

16 नवंबर 20XX

प्रिय पवन

सप्रेम नमस्कार।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ तथा आशा करता हूँ कि तुम भी सपरिवार सानंद होगे। परीक्षा की तैयारी में व्यस्त होने के कारण काफी दिनों से मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख पाया, इसके लिए क्षमा प्रार्थी हूँ। पवन, तुम्हें यह जानकार अति

प्रसन्नता होगी कि मेरे बड़े भैया की शादी अगले महीने की 25 तारीख को होनी सुनिश्चित हुई है।

इस अवसर पर पूरे परिवार समेत तुम्हारी उपस्थिति अनिवार्य है। तुम्हारे साथ और कौन-कौन आएँगे, इसकी सूचना मुझे अविलंव देना, ताकि समयानुसार सबका आरक्षण करवा सकूँ।

घर में माता-पिता को मेरा प्रणाम तथा नयन और नम्रता को मेरा शुभाशीष कहना।

तुम्हारा मित्र

य०र०ल०

2. परीक्षा भवन

नई दिल्ली।

20 सितंबर, 20XX

प्रधानाचार्य जी

क०ख०ग० विद्यालय

नई दिल्ली।

विषय: प्रयोगशाला को अत्याधुनिक बनाने के संबंध में।

महोदय

विनम्र निवेदन है कि मैं इस विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। हमारा विद्यालय पठन-पाठन तथा उत्तम शैक्षणिक माहौल के लिए जाना जाता है। किंतु हमारे विद्यालय की प्रयोशाला में अपेक्षित सुविधाओं की कुछ कमी है। खासतौर से प्रयोगशाला में प्रयोग किए जानेवाले अत्याधुनिक संयंत्रों की काफी कमी है। आज के युग में नवीन प्रयोग और अनुसंधान के लिए प्रयोगशाला की सामग्री का अत्याधुनिक तथा स्तरीय होना बहुत ही आवश्यक है।

अत: श्रीमान से प्रार्थना हैं कि विद्यालय की प्रयोगशाला को स्तरीय बनाने हेतु इसे अत्याधुनिक संयंत्रों तथा सामग्रियों से लैस किया जाए, ताकि छात्रगण इसका अधिकाधिक लाभ उठा सकें।

धन्यवाद सहित

आपका आज्ञाकारी छात्र

य०र०ल०

कक्षा दशम 'अ'

अथवा

अ०ब०स० कॉलोनी
नई दिल्ली।
12 सितंबर, 20XX

राजस्व अधिकारी महोदय
कृष्ण कुंज क्षेत्र, दिल्ली नगर निगम
नई दिल्ली।

विषय: गृह-कर जमा करने के बाद भी नोटिस मिलने के संबंध में।

मान्यवर

मैं लक्ष्मीनगर (कृष्ण कुंज) का निवासी हूँ। मैंने विगत महीने में अपने मकान का गृह-कर आपके कार्यालय में जमा कर दिया था, जिसकी पावती रसीद मेरे पास है। इसके बावजूद पिछले दिनों मुझे गृह-कर जमा करने का नोटिस आपके कार्यालय द्वारा भेज दिया गया। आपके कार्यालय की इस लापरवाही से मैं हैरान और चकित हूँ। आखिर इस प्रकार की चूक कैसे हो सकती है! मैं अपने गृह-कर जमा करने संबंधी कागजात की छाया-प्रति इस पत्र के साथ संलग्न कर रहा हूँ।

अत: श्रीमान से अनुरोध है कि इस त्रुटि को अविलंब सुधारकर मुझे इसकी सूचना दी जाए।

धन्यवाद सहित

भवदीय
क०ख०ग०

पुनरावृत्ति कार्य-पत्र–16

पृष्ठ संख्या–269

उत्तर–

1. परीक्षा भवन
   नई दिल्ली।
   21 जुलाई, 20XX

प्रिय अभय

सप्रेम नमस्ते।

मै यहाँ सपरिवार सकुशल हूँ तथा आशा करता हूँ कि वहाँ तुम भी सपरिवार कुशलतापूर्वक होगे। अभय, मैं जानता हूँ कि क्रिकेट खेल में तुम्हारी बहुत दिलचस्पी है। इसलिए तुम्हें एक खुशखबरी देने जा रहा हूँ। आगामी 12 दिसंबर को मेरे गृह नगर कानपुर में भारत एवं आस्ट्रेलिया के बीच एकदिवसीय क्रिकेट मैच होना है।

मेरी परीक्षा समाप्त हो चुकी है तथा मैं परसों कानपुर जा रहा हूँ। चूँकि मेरे पिता जी कानपुर क्रिकेट ऐसोसिएशन के सदस्य हैं, इसलिए उन्हें दो पास मिले हैं। हम दोनों इस पास का लाभ उठाएँगे। मेरे पिता जी ने भी मुझसे तुम्हें बुलाने को कहा हैं। इसलिए तुम मैच की तिथि के एक-दो दिन पहले कानपुर चले आना। मै। तुम्हारा इंतज़ार करूँगा। आने की सूचना अगले पत्र में अवश्य देना।

मेरी तरफ से अपने माता-पिता को प्रणाम तथा छोटों को शुभ आशीष बोल देना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

य०र०ल०

अथवा

परीक्षा भवन

क०ख०ग० विद्यालय

सी.आर. पार्क, नई दिल्ली।

15 सितंबर 20XX

प्रिय अनुजा

शुभाशीर्वाद।

मैं यहाँ सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि तुम भी स्वस्थ एवं सकुशल होगी। पिछले सप्ताह पिता जी के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम प्रात:काल देर से उठती हो। हो सकता है कि तुम देर रात तक जागकर पढ़ाई करती हो। यह भी पता चला कि तुम्हारा स्वास्थ्य भी कुछ खराब-सा रहता है। इसके लिए मैं तुम्हें सीधा एवं सरल उपाय बताता हूँ– प्रात:काल का भ्रमण, जिसके लिए कोई पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होती है।

प्रात:काल पूर्व में सूर्योदय की लालिमा मन को अच्छी लगती है। इस समय मंद-मंद बहती शीतल बयार सारा आलस्य हर लेती है। पक्षियों का कलरव हमारी नींद भगा देता है। ओसयुक्त घास पर चलने से मन प्रसन्न होता है तथा हमारे नेत्रों की ज्योति बढ़ती है। खिले-खिले फूल हमें उल्लास एवं स्फूर्ति से भर देते हैं। प्राचीन काल में ऋषियों-मुनियों के स्वस्थ एवं दीर्घायु होने का रहस्य उनका ब्रह्ममुहूर्त में उठकर भ्रमण करना था। जो व्यक्ति नियमित प्रात:काल भ्रमण करता है, वह स्वस्थ, बलवान तथा बुद्धिमान बनता है। आशा है कि अब से तुम भी प्रात:काल नियमित रूप से भ्रमण करोगी। पूज्य माता एवं पिता जी को चरण स्पर्श कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा अग्रज

य०र०ल०

2. परीक्षा भवन
आगरा
8 अक्टूबर, 20XX
प्रधानाचार्य महोदय
क.ख.ग विद्यालय
आगरा।
विषय: रक्तदान शिविर आयोजित करने के संबंध में।
महोदय
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। हमारा विद्यालय इस क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित विद्यालय माना जाता है। शैक्षिक उपलब्धियों के साथ-साथ हमारे विद्यालय ने सामाजिक- सांस्कृतिक आयोजनों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया है। किंतु अब तक हमारे विद्यालय में एक बार भी रक्तदान शिविर का आयोजन नहीं किया गया है। महोदय, रक्तदान महादान है। इससे हज़ारों लोगो की जान बचती है। इससे बड़ा पुनीत कार्य कुछ भी नहीं हो सकता। अपने विद्यालय की प्रतिष्ठा के अनुरूप हम सभी छात्रों एवं शिक्षकों को स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य ही करना चाहिए।
अत: श्रीमान से अनुरोध है कि रक्तदान की महत्ता को ध्यान में रख रेडक्रॉस सोसाइटी से अपने विद्यालय में रक्तदान शिविर लगाने का अनुरोध करें।
सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
य०र०ल०

अथवा

अ०ब०स० नगर
नई दिल्ली
12 दिसंबर 20XX
संपादक
दैनिक हिंदुस्तान
कस्तूरबा गांधी मार्ग
नई दिल्ली।

विषय: बिजली संकट और उससे उत्पन्न कठिनाइयों के संबंध में।

महोदय

मैं आपके सम्मनित एवं लोकप्रिय पत्र के माध्यम से संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों का ध्यान बिजली संकट तथा उनसे उत्पन्न कठिनाइयों के संबंध में आकृष्ट करना चाहता हूँ।

महोदय, पिछले कई महीनों से हमारे क्षेत्र में बिजली की भीषण किल्लत बनी हुई है। कुल चौबीस घंटे में छ-सात घंटे भी बिजली नहीं मिल पाती। इसके कारण हमारे क्षेत्र में समस्याओं की बाढ़-सी आ गई है। बच्चो की पढ़ाई-लिखाई ठप्प है, पानी की कमी के कारण दैनंदिन के क्रियाकलाप बुरी तरह से प्रभावित हैं। गरमी के कारण क्षेत्र के लोग रात भर जगकर बिताते हैं। रात में बिजली नहीं रहने के कारण सर्वत्र अँधेरा रहता है, जिसके कारण चोर-उच्चकों की पौ बारह है। अत: आपसे अनुरोध है कि इसे अपने समाचार-पत्र में स्थान दें ताकि संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस समस्या पर ध्यान देकर इसके समाधान में रुचि लें।

सधन्यवाद

भवदीय

य०र०ल०